आज का पुरुषार्थ 31 October 2022

<u>Source</u>: BK Suraj bhai   **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आइये आज से हम सब अपने वायब्रेशन्स को चेक करे ... और इसे अलौकिक बनाये .. पवित्र बनाये .. शक्तिशाली बनाये"*

हम सभी सेवाओं के फ़ील्ड में रहते है। सेवायें हमारी फलीभूत हो। इसके लिए आवश्यक है, हम सभी के vibrations बहुत अलौकिक, बहुत पवित्र, बहुत शक्तिशाली हो।

यदि किसी स्थान पर हम सेवा कर रहे है, और वहाँ के वायब्रेशन्स ऐसे है, **शक्तिशाली पवित्र, तो देवकुल की आत्माओं को** और अन्य अच्छी आत्माओं को हमारे उस स्थान पर आने का आकर्षण होता है।

चाहे वह सेवाकेन्द्र हो, चाहे हम कहीं बहुत बड़ा प्रोग्राम करने जा रहे हो, हम इसपर ध्यान दे .. सेवाओं से पहले हम उस स्थान के **vibrations** को बहुत **powerful** बना दे।

और इसकी विधि है .. हम सदा एकमत रहे। किसी भी छोटी मोटी बात में, कहीं भी **मान-सम्मान** के कारण .. मुझे चांस मिले, इसे न मिले, मुझे यह देना चाहिए, इसे क्यों दिया? इन बातों से टकराव में न आये। मनमुटाव न कर ले, रूस न जायें।

कईयों को रूसने की बहुत गंदी आदत होती है। भगवान के बच्चे भी यदि रूसते है तो दो चार लोग उन्हें ही मनाने में लगे रहते है। **वायब्रेशन्स** भारी हो जाते है। यह नहीं करना है।

हम तो बाबा के कार्य को सफल करने के लिए आये है। हमें उसमें कहीं भी विघ्न नहीं डालना है। तो टकराव से बचेंगे। एकरस अवस्था रहे सबकी।

सेवाओं के जो निमित्त भी है, उन्हें भी इस बात पे ध्यान देना है कि सेवाओं की सफलता हमारे एक मत और **एकरस स्थिति** पर निर्भर करती है।

यदि हम ही अलग-अलग मतों वाले हो जायेंगे तो एक मत का **राज्य** हम कैसे स्थापित करेंगे। हमें जो सबको एक मत सुनानी है, एक की मत सीखानी है, वह होगा नहीं।

तो हमें एक मत होने के लिए, एक की मत पर चलते रहे। और वह भी ..

' एक वो है जिसे हम जन्म जन्म प्यार करते आये .. जो हमारा बहुत शुभचिंतक है .. जो हमे अपना सब कुछ देने आया है '

संसार में तो कोई यह भी कह देता है की इनकी मत पर हम क्यूं चले। दुसरो की मत अच्छी नहीं लगती। मनुष्य की मत में मतभेद भी होता है। और कही कही स्वार्थ भी होता है।

लेकिन हमें तो मत मिली है उनकी, जो **परम कल्याणकारी** है, जो हमारा हित चाहता है, जो हमें प्रेम देने आया है, जिसने हमें अपनी सेवाओं में हिस्सेदारी दी है।

" तन-मन-धन से मेरे इस कार्य में मदद करो तो तुम श्रेष्ठ भाग्य के अधिकारी बन जाओगे "

तो हम देख ले किसी भी कारण से (कोई भी कारण हो) हम वायब्रेशन्स को निगेटिव न करे। कोई लोग मनमुटाव के कारण यह भी सोचते है ..

' देख लेना बहुत मेहनत कर रहे यह लोग, लेकिन कुछ भी सफलता नहीं मिलेगी '

कई तो यह भी कहते रहते है कि →

' यह लोग तो बस इन से ही सेवा कराते है .. देख लेना .. कुछ भी नहीं होने जा रहा है '

यह निगेटिव बातें वातावरण को बहुत **हल्का वायब्रेशन्स** का बना देता है। जो बुद्धिमान है, जो समझदार है, जो सच्चे मन से बाबा के **सहयोगी** है, वह हर परिस्थिति में एक ही संकल्प रखेंगे ..

सेवा कोई भी कर रहा हो, निमित्त कोई भी हो, धन किसने भी लगाया हो, लेकिन ..

' यह हम सबकी सेवा है .. हम सबकी सफलता है .. **देवकुल** की आत्माओं को आकर्षित करना हमारा परम कर्तव्य है .. इसलिए यह सेवा सफल हो '

और चुपचाप बैठकर उस **स्थान** को गुड वायब्रेशन्स देना चाहिए। जैसे →

" मैं परम पवित्र आत्मा हूँ .. बाबा की पवित्र किरणें मुझ पर पड़ रही है .. और मेरे मस्तक से .. नयनों से निकलकर उस स्थान को जा रही है "

जैसे कि →

" वह सारा स्थान पवित्र वायब्रेशन्स से भर गया है .. मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. बाबा की शक्तियाँ मुझमें समाकर .. मेरे मस्तक से उस स्थान को पहुँच रही है .. वह स्थान चार्ज हो रहा है "

संकल्प कर दे →

" जो भी यहाँ आयेंगे ..वह चार्ज हो जायेंगे .. वह अपने देवस्वरूप को पहचान लेंगे .. उनका बाबा से मिलन होगा "

तो आज सारा दिन यह दोनों अभ्यास करेंगे और ..

" हम सब बाबा के सपूत बच्चे है "

.. इस स्मृति में रहेंगे ...

।। ओम शान्ति ।।